



SET – 1

Series : BVM/1

कोड नं. 2/1/1
Code No.

रोल नं.

--	--	--	--	--	--	--

Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक) HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 80

Time allowed : 3 hours

Maximum Marks : 80

सामान्य निर्देश :

- इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं । प्रश्न-पत्र में तीन खंड हैं – क, ख, ग ।
- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
- विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर क्रमशः लिखें ।

2/1/1

1

[P.T.O.]

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

बीसवीं शताब्दी में भारत ने ब्रिटिश साम्राज्यवादी – उपनिवेशवादी व्यवस्था को अपने ऊपर से उतार फेंका। महात्मा गांधी की प्रेरणा से भारतीय जनता ने एक नए ढंग का संघर्ष कर अपनी स्वाधीनता प्राप्त की। गांधीजी ने राजनीतिक संघर्ष के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष को भी स्वाधीनता संग्राम से जोड़ दिया। उनके लिए राजनैतिक और प्रशासनिक भेदभाव के खिलाफ लड़ना जितना महत्वपूर्ण था उतना ही महत्वपूर्ण था सामाजिक और धार्मिक ढाँचे के भीतर के भेदभाव के विरुद्ध खड़ा होना। अपनी 'आत्मकथा' में गांधीजी लिखते हैं – “ऐसे व्यापक सत्यनारायण के प्रत्यक्ष दर्शन के लिए प्राणीमात्र के प्रति आत्मवत (अपने समान) प्रेम की भारी जरूरत है। इस सत्य को पाने की इच्छा करने वाला मनुष्य जीवन के एक भी क्षेत्र से बाहर नहीं रह सकता। यही कारण है कि मेरी सत्य-पूजा मुझे राजनैतिक क्षेत्र में घसीट ले गई। जो कहते हैं कि राजनीति से धर्म का कोई सम्बन्ध नहीं है, मैं निस्संकोच होकर कहता हूँ कि ये धर्म को नहीं जानते और मेरा विश्वास है कि यह बात कह कर मैं किसी तरह विनय की सीमा को लाँघ नहीं रहा हूँ”। आज राजनीति को धर्म से अलग मानने वालों को गांधीजी की यह बात जरूर सुननी चाहिए। अपने इसी विश्वास के कारण गांधीजी ने सामाजिक और धार्मिक ढाँचे के भीतर समानता के संघर्ष को प्रमुखता से आगे बढ़ाया क्योंकि वे जानते थे कि केवल राजनीतिक मुक्ति से उनके सपनों का भारत नहीं बनेगा। उनका मानना था कि करोड़ों वंचितों की सामाजिक-आर्थिक मुक्ति ही स्वाधीन भारत की पहचान होनी चाहिए।

- | | |
|---|---|
| (क) गद्यांश को पढ़कर उपयुक्त शीर्षक लिखिए। | 1 |
| (ख) बीसवीं शताब्दी में भारत में क्या बड़ी घटना हुई ? | 1 |
| (ग) महात्मा गांधी के लिए सामाजिक सुधारों के लिए संघर्ष क्यों महत्वपूर्ण था ? | 2 |
| (घ) गांधीजी ने सत्यनारायण के दर्शन की पात्रता क्या मानी थी और क्यों ? | 2 |
| (ङ) कौन लोग धर्म को नहीं जानते ? उनके प्रति गांधीजी ने ऐसी धारणा क्यों बनाई ? | 2 |
| (च) गांधीजी के विचार से स्वाधीन भारत की पहचान क्या होनी चाहिए ? | 2 |
| (छ) गद्यांश के आधार पर लिखिए कि स्वाधीनता की व्यापक पहचान क्या होनी चाहिए ? क्यों ? | 2 |

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1 × 4 = 4

जो नहीं हो सके पूर्ण-काम
मैं उनको करता हूँ प्रणाम !

कुछ कुंठित औ'कुछ लक्ष्य-भ्रष्ट
जिनके अभिमंत्रित तीर हुए
रण की समाप्ति के पहले ही
जो वीर रिक्त-तूणीर हुए
- उनको प्रणाम !



जो छोटी-सी नैया लेकर
उतरे करने को उदधि-पार
मन की मन में ही रही, स्वयं
हो गए उसी में निराकार
- उनको प्रणाम !

जो उच्च शिखर की ओर बढ़े
रह-रह नव-नव उत्साह भरे
पर कुछ ने ले ली हिम-समाधि
कुछ असफल ही नीचे उतरे
- उनको प्रणाम !

कृत-कृत्य नहीं जो हो पाए
प्रत्युत फांसी पर गए झूल
कुछ ही दिन बीते हैं, फिर भी
यह दुनिया जिनको गई भूल
- उनको प्रणाम !

- (क) कवि असफल लोगों को ही क्यों प्रणाम कर रहा है ?
(ख) छोटी सी नौका से सागर पार करने की कोशिश करने वालों का क्या महत्त्व माना है ?
(ग) उच्च शिखर की ओर बढ़ते हुए हिम समाधि लेने का भावार्थ क्या है ?
(घ) समाज किन लोगों को भी भुला देता है ?

अथवा

क्या कुटिल व्यंग्य ! दीनता वेदना से अधीर, आशा से जिनका नाम रात-दिन जपती है,
दिल्ली के वे देवता रोज कहते जाते, 'कुछ और धरो धीरज, किस्मत अब छपती है।'

किस्मतें रोज छप रहीं, मगर जलधार कहाँ ? प्यासी हरियाली सूख रही है खेतों में,
निर्धन का धन पी रहे लोभ के प्रेत छिपे, पानी विलीन होता जाता है रेतों में।

हिल रहा देश कुत्सा के जिन आघातों से, वे नाद तुम्हें ही नहीं सुनाई पड़ते हैं ?
निर्माणों के प्रहरियो ! तुम्हें ही चोरों के काले चेहरे क्या नहीं दिखाई पड़ते हैं ?

तो होश करो, दिल्ली के देवो, होश करो, सब दिन तो यह मोहिनी न चलने वाली है,
होती जाती है गर्म दिशाओं की साँसें, मिट्टी फिर कोई आग उगलने वाली है।

- (क) गरीबों के प्रति कुटिल व्यंग्य क्या है ?
(ख) निर्धन की त्रासदी क्या है ?
(ग) शासक वर्ग को 'दिल्ली के देवता' क्यों कहा गया है ?
(घ) कवि क्या चेतावनी दे रहा है ?



खंड 'ख'

3. नीचे दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए : 5
- (क) लोकतंत्र और हमारा दायित्व
(ख) बाल मजदूरी हमारे घरों में
(ग) लोकतंत्र में चुनावों की भूमिका
(घ) इंटरनेट एक वरदान

4. किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखकर प्राकृतिक आपदाओं के दौरान आपदाग्रस्त क्षेत्रों में भारतीय सेना के जवानों द्वारा किये जाने वाले कार्यों का वर्णन करते हुए सेना की भूमिका रेखांकित कीजिए। 5

अथवा

छात्र-परिषद् के अध्यक्ष के रूप में नगर निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को पत्र लिखकर विद्यालय के सामने अवस्थित पार्क की सफाई और देखभाल की ज़िम्मेदारी लेने का प्रस्ताव रखिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के संक्षिप्त उत्तर लिखिए : 1 × 4 = 4
- (क) लोकतंत्र का चौथा खंभा किसे कहा जाता है और क्यों ?
(ख) फीचर किसे कहते हैं ?
(ग) संपादन के दो सिद्धांत बताइए।
(घ) लोकतंत्र में जनसंचार के दो कार्यों का उल्लेख कीजिए।
(ङ) पत्रकारीय लेखन किसे कहते हैं ?

6. 'बदल रही है सरकारी विद्यालयों की छवि' विषय पर एक आलेख लिखिए। 3

अथवा

हाल ही में पढ़ी गई किसी पाठ-विधि की पुस्तक की समीक्षा लिखिए।

7. 'विद्यालय स्वच्छता अभियान' विषय पर एक फीचर तैयार कीजिए। 3

अथवा

आपकी बस्ती के निकट लगने वाले साप्ताहिक बाजार को विषय बनाकर एक फीचर तैयार कीजिए।



खंड 'ग'

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

2 × 3 = 6

प्रभु प्रलाप सुनि कान बिकल भए बानर निकर ।

आइ गयउ हनुमान जिमि करुना महँ बीर रस ॥

हरषि राम भेटेउ हनुमाना । अति कृतग्य प्रभु परम सुजाना ॥

तुरत बैद तब कीन्हि उपाई । उठि बैठे लछिमन हरषाई ॥

हदयँ लाइ प्रभु भेटेउ भ्राता । हरषे सकल भालु कपि ब्राता ॥

कपि पुनि बैद तहाँ पहुँचावा । जेहि बिधि तबहिं ताहि लइ आवा ॥

(क) हनुमान के आगमन को करुण रस के बीच वीर रस की उत्पत्ति क्यों कहा गया है ?

(ख) 'अति कृतज्ञ' कौन हुआ और क्यों ?

(ग) इन पंक्तियों में वर्णित भाइयों के प्रेम-भाव की आज के जीवन में प्रासंगिकता पर टिप्पणी कीजिए ।

अथवा

कविता एक खिलना है, फूलों के बहाने

कविता का खिलना भला फूल क्या जानें !

बाहर भीतर

इस घर उस घर

बिना मुरझाए महकने के माने

फूल क्या जानें ?

कविता एक खेल है बच्चों के बहाने

बाहर भीतर

यह घर, वह घर

सब घर एक कर देने के माने

बच्चा ही जाने ।

(क) भाव स्पष्ट कीजिए

सब घर एक कर देने के माने

बच्चा ही जाने ।

(ख) कविता को बच्चों के समानांतर क्यों रखा गया है ?

(ग) कविता के खिलने और फूलों के खिलने में क्या साम्य-वैषम्य है ?



9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2 + 2 = 4
- बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से
कि जैसे घुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने
- (क) काव्यांश की अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए ।
(ख) काव्यांश का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ,
शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ,
हों जिस पर भूपों के प्रासाद निछावर
मैं वह खँडहर का भाग लिए फिरता हूँ ।

- (क) काव्यांश के अलंकार सौन्दर्य का उद्घाटन कीजिए ।
(ख) काव्यांश का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए : 3 × 2 = 6
- (क) “पतंग” कविता में बच्चों द्वारा ‘दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने’ से कवि का क्या आशय है ?
(ख) ‘कवितावली के छंदों में अपने युग की आर्थिक एवं सामाजिक विषमता की अभिव्यक्ति है’ कथन की पुष्टि कीजिए ।
(ग) ‘कैमरे में बंद अपाहिज’ करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है’ ? इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।
(घ) उषा कविता के आधार पर गाँव की सुबह का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2 × 3 = 6
- एक-एक बार मुझे मालूम होता है कि यह शिरीष एक अद्भुत अवधूत है । दुख हो या सुख, वह हार नहीं मनाता । न ऊधो का लेना, न माधो का देना । जब धरती और आसमान जलते रहते हैं, तब भी यह हज़रत न जाने कहाँ से अपना रस खींचते रहते हैं । मौज में आठों याम मस्त रहते हैं । एक वनस्पतिशास्त्री ने मुझे बताया है कि यह उस श्रेणी का पेड़ है जो वायुमंडल से अपना रस खींचता है । ज़रूर खींचता होगा । नहीं तो भयंकर लू के समय इतने कोमल तंतुजाल और ऐसे सुकुमार केसर को कैसे उगा सकता था ? अवधूतों के मुँह से ही संसार की सबसे सरस रचनाएँ निकली हैं । कबीर बहुत कुछ इस शिरीष के समान ही थे, मस्त और बेपरवाह, पर सरस और मादक । कालिदास भी ज़रूर अनासक्त योगी रहे होंगे । शिरीष के फूल फक्कड़ाना मस्ती से ही उपज सकते हैं और ‘मेघदूत’ का काव्य उसी से अनासक्त अनाविल उन्मुक्त हृदय में उमड़ सकता है ।
- (क) लेखक ने शिरीष को अवधूत क्यों कहा है ?
(ख) लेखक यह क्यों मानता है कि अनासक्त हृदय से ही मेघदूत जैसा श्रेष्ठ काव्य उपज सकता है ?
(ग) वर्तमान के संघर्षपूर्ण जीवन में शिरीष के माध्यम से लेखक क्या संकेत देना चाह रहा है ?

अथवा



भक्तिन और मेरे बीच में सेवक-स्वामी का संबंध है, यह कहना कठिन है; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया, जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे। भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है, जितना अपने घर में बारी-बारी से आने-जाने वाले अँधेरे-उजाले और आँगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना। वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं, जिसे सार्थकता देने के लिए हमें सुख-दुख देते हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए है।

- (क) लेखिका को अपने और भक्तिन के बीच सेवक-स्वामी का संबंध होने में संदेह क्यों है ?
 (ख) लेखिका ने भक्तिन को नौकर कहना असंगत क्यों माना है ?
 (ग) लेखिका और भक्तिन के परस्पर संबंधों की दो विशेषताएँ लिखिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

- (क) जीवन संघर्षों ने चार्ली चैपलिन के व्यक्तित्व को कैसे निखारा ? 3
 (ख) लेखक ने क्यों कहा कि 'मन खाली हो, तब बाज़ार न जाओ' ? 3
 (ग) भक्तिन की बेटी पर पंचायत द्वारा पति थोप देने की घटना के विरोध में टिप्पणी लिखिए। 3
 (घ) लुट्टन पहलवान ने ढोल को अपना गुरु क्यों कहा ? 1

13. यशोधर बाबू जीवन में नए और पुराने के द्वंद्व में फंस गए हैं, आपके विचार से उन्हें क्या करना चाहिए और क्यों ? 4

अथवा

ऐन फ्रैंक की डायरी ने नितान्त निजी अनुभवों को भी विस्मृति से बचाने के प्रयास में अपने समय और समाज का प्रामाणिक दस्तावेज प्रस्तुत कर दिया है, कैसे ?

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए : $4 \times 2 = 8$

- (क) 'सिन्धु की सभ्यता पूर्ण विकसित मानव सभ्यता थी', इस विचार से आप कहाँ तक सहमत हैं और क्यों ?
 (ख) 'डायरी के पन्ने' पाठ के आधार पर महिलाओं की तत्कालीन स्थिति का उल्लेख करते हुए बताइए कि आज के समय में क्या बदलाव आ रहे हैं ?
 (ग) 'जूझ' पाठ के पात्र दत्ताजी राव देसाई ने लेखक के जीवन को कैसे प्रभावित किया ? उदाहरण सहित उत्तर दीजिए।
 (घ) यशोधर बाबू ने किशन दा से किन जीवन मूल्यों को पाया था ? उनका उल्लेख करते हुए बताइए कि आपके लिए भी वे उपयोगी हो सकते हैं तो कैसे ?



• 012 3456789 1011 1213 1415 1617 1819 2021 2223 2425 2627 2829 3031 3233 3435 3637 3839 4041 4243 4445 4647 4849 5051 5253 5455 5657 5859 6061 6263 6465 6667 6869 7071 7273 7475 7677 7879 8081 8283 8485 8687 8889 9091 9293 9495 9697 9899 100101 102103 104105 106107 108109 110111 112113 114115 116117 118119 120121 122123 124125 126127 128129 130131 132133 134135 136137 138139 140141 142143 144145 146147 148149 150151 152153 154155 156157 158159 160161 162163 164165 166167 168169 170171 172173 174175 176177 178179 180181 182183 184185 186187 188189 190191 192193 194195 196197 198199 200201 202203 204205 206207 208209 210211 212213 214215 216217 218219 220221 222223 224225 226227 228229 230231 232233 234235 236237 238239 240241 242243 244245 246247 248249 250251 252253 254255 256257 258259 260261 262263 264265 266267 268269 270271 272273 274275 276277 278279 280281 282283 284285 286287 288289 290291 292293 294295 296297 298299 300301 302303 304305 306307 308309 310311 312313 314315 316317 318319 320321 322323 324325 326327 328329 330331 332333 334335 336337 338339 340341 342343 344345 346347 348349 350351 352353 354355 356357 358359 360361 362363 364365 366367 368369 370371 372373 374375 376377 378379 380381 382383 384385 386387 388389 390391 392393 394395 396397 398399 400401 402403 404405 406407 408409 410411 412413 414415 416417 418419 420421 422423 424425 426427 428429 430431 432433 434435 436437 438439 440441 442443 444445 446447 448449 450451 452453 454455 456457 458459 460461 462463 464465 466467 468469 470471 472473 474475 476477 478479 480481 482483 484485 486487 488489 490491 492493 494495 496497 498499 500501 502503 504505 506507 508509 510511 512513 514515 516517 518519 520521 522523 524525 526527 528529 530531 532533 534535 536537 538539 540541 542543 544545 546547 548549 550551 552553 554555 556557 558559 560561 562563 564565 566567 568569 570571 572573 574575 576577 578579 580581 582583 584585 586587 588589 590591 592593 594595 596597 598599 600601 602603 604605 606607 608609 610611 612613 614615 616617 618619 620621 622623 624625 626627 628629 630631 632633 634635 636637 638639 640641 642643 644645 646647 648649 650651 652653 654655 656657 658659 660661 662663 664665 666667 668669 670671 672673 674675 676677 678679 680681 682683 684685 686687 688689 690691 692693 694695 696697 698699 700701 702703 704705 706707 708709 710711 712713 714715 716717 718719 720721 722723 724725 726727 728729 730731 732733 734735 736737 738739 740741 742743 744745 746747 748749 750751 752753 754755 756757 758759 760761 762763 764765 766767 768769 770771 772773 774775 776777 778779 780781 782783 784785 786787 788789 790791 792793 794795 796797 798799 800801 802803 804805 806807 808809 810811 812813 814815 816817 818819 820821 822823 824825 826827 828829 830831 832833 834835 836837 838839 840841 842843 844845 846847 848849 850851 852853 854855 856857 858859 860861 862863 864865 866867 868869 870871 872873 874875 876877 878879 880881 882883 884885 886887 888889 890891 892893 894895 896897 898899 900901 902903 904905 906907 908909 910911 912913 914915 916917 918919 920921 922923 924925 926927 928929 930931 932933 934935 936937 938939 940941 942943 944945 946947 948949 950951 952953 954955 956957 958959 960961 962963 964965 966967 968969 970971 972973 974975 976977 978979 980981 982983 984985 986987 988989 990991 992993 994995 996997 998999 1000

